

\*ॐ\*

~~~~~

विद्या भवन, बालिका विद्यापीठ, लखीसराय ।

कक्षा-नवम् विषय-हिन्दी

दिनांक—09/03/2021

५ सर्वे भवन्तु सुखिनः सर्वे सन्तु निरामया ५

मेरे प्यारे बच्चों, शुभ प्रभात!

आपका हर दिन खुशियों से भरा हो!

### एन सी इ आर टी पर आधारित

काव्यों की सुंदरता बढ़ाने वाले यंत्रों को ही अलंकार कहते हैं। जिस प्रकार मनुष्य अपनी सुंदरता बढ़ाने के लिए विभिन्न आभूषणों का प्रयोग करते हैं उसी तरह काव्यों की सुंदरता बढ़ाने के लिए अलंकारों का उपयोग किया जाता है। अतः काव्यों को शब्दों व दूसरे तत्वों की मदद से सुसज्जित करने वाला ही अलंकार कहलाता है ।

अलंकार के भेद--

अलंकार के मुख्यतः दो भेद होते हैं :

1. शब्दालंकार
2. अर्थालंकार

## 1. शब्दालंकार

जो अलंकार शब्दों के माध्यम से काव्यों को अलंकृत करते हैं, वे शब्दालंकार कहलाते हैं। यानि किसी काव्य में कोई विशेष शब्द रखने से सौन्दर्य आए और कोई पर्यायवाची शब्द रखने से लुप्त हो जाये तो यह शब्दालंकार कहलाता है।

*शब्दालंकार के भेद:*

1. अनुप्रास अलंकार
2. यमक अलंकार
3. श्लेष अलंकार

धन्यवाद

कुमारी पिकी "कुसुम"

